वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 177 | शनिवार 22 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दुल्हन की तरह सजी गुलाबी नगरी

हेरिटेज लाइटिंग का राजीव अरोड़ा ने किया स्विच ऑन, दिवाली तक रोशन रहेंगे बाजार

जयपुर. कासं

दीपोत्सव के मौके पर इस बार पिंकसिटी को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। जयपुर के चारदिवारी इलाकों के साथ बाहरी क्षेत्र में भी शानदार लाइटिंग की गई है। वहीं एम आई रोड को हेरिटेज और नेचुरल थीम पर सजाया गया है जिसका राजसिको अध्यक्ष राजीव अरोड़ा और विधायक अमीन कागजी ने स्विच ऑन कर शुरूआत की। इस दौरान शहर के प्रमुख व्यापार मंडलों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। जयपुर के सबसे पुराने और शानदार बाजारों में से एक मिर्जा इस्माईल (MI) रोड पर इस बार हेरिटेज और नेचुरल लाइटिंग की गई है। पूरे बाजार में छह स्वागत द्वार बनाए गए हैं। जिन पर यूनीक लाइटिंग की गई है। वहीं जयपुर की शान पांच बत्ती को हैरिटेज लुक दिया गया है। जहां राजस्थानी कलाकार अपनी प्रस्तुति देते नजर आएंगे। इसके साथ ही 3 किलोमीटर के दायरे में नेचुरल लाइटिंग की गई है। जिसे देख ऐसा लगता है कि मानो सितारे जमीन पर उतर गए हैं। एमआई रोड व्यापार संघ के महामंत्री सुरेश सैनी ने बताया कि इस बार दीपोत्सव के मौके पर बाजार में शानदार रौनक है। इसी रौनक को और बढ़ाने के लिए हमने हेरिटेज और नेचुरल थीम पर लाइटिंग की है। ताकि हमारे बाजार में खरीदारी करने वाले ग्राहकों के साथ यहां से गुजरने वाले आम शहरवासी भी इसे देख खुद को सेल्फी लेने से ना रोक सके। एमआई रोड के साथ जयपुर के दूसरे बाजारों में भी यूनीक थीम पर लाइटिंग की गई है। इनमें किशनपोल बाजार को भगवान श्री कृष्ण की थीम पर सजाया गया है। वहीं जोहरी बाजार को लक्ष्मी जी और गणेश जी की थीम पर डेकोरेट किया गया है। जबकि चांदपोल बाजार में तिरंगे की रोशनी के साथ अमेरिका का डिज्नीलैंड और शिव जी-गणेश जी की झांकी भी नजर आएगी।

परकोटे में प्रवेश और निकासी के अलग-अलग गेट, जाम से निजात दिलाने का प्रयास

पांच दिवसीय दीपोत्सव को लेकर जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने विशेष व्यवस्था की हैं। शहर में इन पांच दिनों में देशी और विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में रोशनी देखने के लिए आते हैं। इस दौरान ट्रैफिक जाम ना हो इसे लेकर जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने विशेष व्यवस्था की हैं। परकोटे में 23 से लेकर 25 तक भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। परकोटे में बाजारों एवं मुख्य मार्गों पर सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग पूरी तरह से बंद कर दी गई हैं। परकोटे में रहने वाले लोग अपने वाहनों की पार्किंग रामनिवास बाग स्थित जेडीए पार्किंग व चौगान स्टेडियम रामलीला मैदान आतिश मार्केट एवं अन्य पार्किंग स्थलों पर ही करेंगे। अगर फिर भी किसी का वाहन सड़क

पर खड़ा मिलेगा तो उसके वहां से हटाकर बाड़े में जाम कर दिया जाएगा। शहर में घुसने से लेकर निकलने के रास्तो में बदलाव किया गया हैं। अगर किसी को शहर में प्रवेश करना है तो वह अजमेरी गेट,सांगानेरी गेट और घाटगेट से प्रवेश कर सकता हैं। रौशन देखने के बाद लोग अपने वाहन या पैदल न्यू गेट, चांदपोल गेट, घाट गेट से निकल सकेंगे। जिससे की ट्रैफिक आमने सामने नहीं टकराएगा। लोग आराम से सिटी में लगी हुई रोशनी का देख सकेंगे। वहीं चा दिवारी के साथ- साथ गौरव टॉवर, राजापार्क, वैशाली नगर, मानसरोवर, विद्याधर नगर क्षेत्र में भी विशेष यातायात व्यवस्था की गई है। आम नागरिकों की सुविधा हेतु मुख्य स्थानों पर यातायात सहायता बूथ लगाए जाएंगे। मुख्य मार्गों पर सूचनात्मक फ्लैक्स बोर्ड लगाए।

दिव्या जैन ने नर्सरी में पेड़ों के बीज भेंट किये

कोटा. शाबाश इंडिया

इनसे तैयार होंगे पौधे, जो बढ़ाएंगे विद्यालयों, खेतों, मैदानों मकानों आदि की शोभा पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक चेतना का अभियान चला रही पर्यावरण मित्र, नेशनल यूथ अवार्डी

दिव्या कुमारी जैन ने आज खुला विश्व विद्यालय कोटा के पास रावतभाटा रोड स्थित नर्सरी में कचनार के बीज वहां स्थित कर्मचारी जोया को भेंट किये। इन बीजों से शीघ्र ही नर्सरी में पौधें तैयार होंगे जो आने वाले समय मे नर्सरी से विद्यालयों, मकानों ,खेतों, मैदानों आदि की शोभा बढ़ाएंगे। बीज पाकर नर्सरी स्थित जोया ने प्रसन्नता व्यक्त की और दिव्या के कार्य की प्रशंसा की। दिव्या ने बताया कि उसने गत वर्ष भी यहां बीज भेंट किये थे, इसी प्रकार उसने कोटा कलेक्ट्री के पीछे स्थित वन विभाग के कार्यालय में भी भेंट किये थे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वात्सल्य की धार्मिक यात्रा कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

वात्सल्य ग्रुप द्वारा विराटनगर एवं कूकस की धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। ग्रुप के सभी सदस्य बस द्वारा रवाना हो कर सर्वप्रथम जैन मंदिर कूकस आमेर रोड के दर्शन किए। इसके पश्चात विराटनगर लगभग 11:00 बजे विराट नगर जैन मंदिर पहुंचे। विराट नगर का यह मंदिर काफी प्राचीन मंदिरों में से एक है एवं बहुत ही सुंदर मंदिर है। सभी सदस्यों का संयोजको द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया गया। सभी सदस्यों ने यहां मंदिर में सामूहिक रूप से भक्तामर का पाठ किया एवं पूजन अर्चना की। मनोरंजन कार्यक्रम हेतु सभी सदस्य बड़े हॉल में एकत्रित हुए। सर्वप्रथम अध्यक्ष अनिल टोंग्या द्वारा आगंतुकों का स्वागत एवं कार्यक्रम की शुरूआत की घोषणा की। हर कार्यक्रम की भांति इस कार्यक्रम में भी जिनकी जन्म दिवस एवं शादी की सालगिरह पिछले प्रोग्राम से और इस प्रोग्राम के मध्य आई हो सभी का माला व साफा लगाकर एवं बुके व फूल देकर सम्मान किया गया। ग्रुप की सचिव रेखा झंझरी द्वारा पूर्व किए गए प्रोग्रामों की समीक्षा की। इसके बाद कार्यक्रम संयोजक भागचंद जैन -अरुणा एवं जेके जैन- सरिता द्वारा मनोरंजन कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। मनोरंजक कार्यक्रम के अंतर्गत हाउजी का बहुत ही रोचक गेम श्रीमती अरुणा एवं सरिता व सांस्कृतिक सचिव गुड्डी पाटनी एवं विमला द्वारा खिलाया गया। जिसकी सभी सदस्य ने बहुत प्रशंसा की। इस कार्यक्रम के पश्चात डांडिया का सामूहिक कार्यक्रम किया जिसमें सभी दंपत्ति सदस्य ने भाग लिया इस कार्यक्रम के दौरान दिगम्बर जैन महासमिति के सीनियर सदस्य आदरणीय प्रदीप एवं संगीता बाकलीवाल भी उपस्थित थे।

इस धनतेरस को मनाइये, अग्रवाल डायमण्ड के साथ

' शादियों में अपने पैसे को हीरे के सबसे सुंदर गहनों का रूप दीजिए न '

- माधुरी जैन सर्राफ (हाड़ौती की एकमात्र रियल डायमण्ड एक्सपर्ट)

तीन सबसे बड़े ऑफर का लाभ उठाइये -

ऑफर - 1
अपने पुराने सोने को 0% कटौती के साथ 100% मूल्य में एक्सचेंज करवाऐं

ऑफर - 2
रियल डायमंड ज्वैलरी की खरीद पर सोने का सिक्का बिल्कुल मुफ्त

ऑफर - 3
हॉलमार्क गोल्ड ज्वैलरी की खरीद पर एक निश्चित व शानदार उपहार

Kota Ka Kohinoor

AGRAWAL
DIAMOND & JEWELLERS

79, SHOPPING CENTRE, (NR. PANJAB SABHA) CHOPATI BAZAR, KOTA
PH. 0744 3554289, M.: 96803 40108, 96808 56968

Diamond - Polki - Gold - Silver - Platinum

आचार्य श्री भरत सागर जी के समाधि दिवस पर बड़े भक्ति भाव से विधान पूजा का आयोजन

श्रद्धांजलि प्रस्तुत करने के पश्चात गणिनी आर्यिका श्री के आशीर्वचन हुए...

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में मयार्दा शिष्योत्तम परम पूज्य आचार्य श्री 108 भरत सागर जी महा मुनिराज की 16 वां समाधि दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि इस अवसर पर आचार्य श्री के मण्डल विधान की पूजा संगीतकार पवन कुमार जैन बड़जात्या एण्ड पार्टी के मधुर संगीत के साथ विधानाचार्य पं दीपक जी शास्त्री द्वारा शुक्रवार दिनांक 21.10.2022 को प्रातः 7.15 बजे से मंदिर जी के पांडाल में आचार्य श्री के चरणों पर पंचामृत अभिषेक व शांतिधारा की गई। शांति धारा करने एवं आचार्य भरत सागर मण्डल विधान पूजा में सौधर्म इन्द्र इन्द्राणी का पुण्यार्जन परमानंद जैन श्रीमती तारा देवी जी जैन बाकलीवाल ईसरदा वालों ने प्राप्त किया। विधान का मंगल कलश भी आपने प्राप्त कर पुण्य अर्जन किया। आचार्य श्री भरत सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन करने का सोभाग्य पंडित चन्दन मल श्रीमती कान्ता, भारत भूषण डाक्टर चन्द्र भूषण जैन अजमेरा परिवार ने प्राप्त किया। आचार्य श्री की पूजा में श्रद्धालुओं ने सजे हुए अष्ट द्रव्य भक्ति भाव से नृत्य करते हुए प्रत्येक मंत्र पर अलग अलग समूह में स्थापना के बाद अलग अलग संगीत की स्वर लहरियों में अलग अलग द्रव्य समर्पित किये। जयमाला का अर्घ्य श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा ने भक्ति भाव से समर्पित किया। गुरु मां को सभी भक्त जनों ने बड़े भक्ति भाव से अर्घ्य चढ़ाया। सजे हुए अर्घ्य चढ़वाने का संचालन श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया एवं मंत्री श्रीमती रानी सौगानी एवं ट्रस्ट की सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती रेखा पाटनी ने किया। कार्यक्रम में श्रद्धांजलि सभा में अनुकम्पा दीदी आचार्य श्री के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि आचार्य श्री प्राणी मात्र के कल्याण के लिए जीवन भर समर्पित रहे। गणिनी आर्यिका श्री के आशीर्वचन के बाद ट्रस्ट के मंत्री ने वर्ग पहेली प्रतियोगिता एवं मयार्दा शिष्योत्तम पर आधारित प्रश्नोत्तरी के परिणाम घोषित किये। विजेताओं को पुरस्कृत किया जिसमें सभी ट्रस्टीजन उपस्थित रहे। तथा माताजी ने सभी को आशीर्वाद दिया। गणिनी आर्यिका श्री ने आशीर्वचन में बताया कि आचार्य श्री संसार से विरक्त होकर मोक्ष यात्रा की ओर बढ़े तो उन्हें कई प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ा। आचार्य श्री मयार्दा शिष्योत्तम से जाने जाते हैं। गुरु मां ने कार्यक्रम में सौधर्म इन्द्र इन्दार्णी एवं शांति धारा करने वाले को, विधान पूजा में बैठे श्रद्धालुओं को, सभी भक्त जनों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। ट्रस्ट की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात सभी के लिए वात्सल्य भोजन की व्यवस्था की गई। सांयकाल 6.30 बजे श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा जयपुर ने महा आरती का आयोजन बड़े भक्ति भाव से सम्पन्न किया।

वेद ज्ञान

डर से आगे बढ़ें...

अधिकतर लोग डर के कारण मरते हैं। डर उन पर हावी हो जाता है और उन्हें मौत की तरफ धकेल देता है। यदि व्यक्ति डर पर विजय हासिल कर ले तो वह सफल होकर दुनिया के लिए प्रेरक बन जाता है। निक वुजिसिक के हाथ-पैर नहीं थे। जब वह थोड़े बड़े हुए तो स्वयं को अन्य लोगों से अलग पाकर बेहद डर गए। लोगों के व्यंग्य बाणों ने उन्हें अवसाद का शिकार बनाना शुरू कर दिया। एक दिन उन्होंने सोचा कि वह लोगों से डर कर स्वयं को खत्म कर रहे हैं। बस इसके बाद से उन्होंने डर को मारना शुरू कर दिया। आज वह पूरे विश्व के सामने एक सफल लेखक, दूसरों को प्रेरित करने वाले वक्ता और सफल पिता के रूप में सामने आकर बता चुके हैं कि उन्होंने अपने डर पर विजय हासिल कर ली है। जितने लंबे समय तक हम किसी अप्रिय कार्य को टालते रहते हैं, उतने ही लंबे समय में वह एक अनचाहे डर में बदल जाता है। यह डर कई बार व्यक्ति के लिए बेहद घातक साबित होता है। इसलिए जिस काम से आपको डर लग रहा हो उसे कर दें, डर अपने आप मर जाएगा। हेलेन केलर ने भी अपने डर को मारने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने अनेक भाषाएं सीखीं, अनेक पुस्तकें लिखीं। हेलेन केलर का कहना था कि 'ईश्वर एक दरवाजा बंद करता है तो दूसरा खोल देता है, पर हम उस बंद दरवाजे की ओर टकटकी लगाए बैठे रहते हैं। दूसरे खुले दरवाजे की ओर हमारी दृष्टि ही नहीं जाती।' हेलेन की उपलब्धियों ने यह सिद्ध कर दिया कि शारीरिक अपंगता उन्नति में बाधक नहीं होती। यदि डर को मार दिया जाए तो व्यक्ति हर हाल में कामयाबी प्राप्त करता है। डर के कारण व्यक्ति का दिमाग नकारात्मक बातों और कार्यों की ओर अग्रसर हो जाता है जिससे डर को विस्तार मिलता है। यही कारण है कि परीक्षा में असफल होने का डर, रोजगार न मिलने का डर और प्रेम में असफल होने का डर व्यक्तियों से अनेक अहित कार्य कराता है। इसमें आत्महत्या और दूसरे की जान लेने जैसे घृणित कार्य भी शामिल हैं। यदि डर की मौत न हो, तो व्यक्ति कई बार अपने जीवन को बर्बाद कर लेता है। अनुचित कदम उसे दुष्कार्यों की ओर मोड़ देते हैं।

संपादकीय

सूचना का अधिकार यानी आरटीआइ कानून

शासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सूचना का अधिकार यानी आरटीआइ कानून लागू हुआ था। शासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के अलावा सरकारी तंत्र की बहुत सारी जरूरी जानकारियों तक आम जनता की पहुंच के मकसद से चलाए गए एक लंबे अभियान के बाद सूचना का अधिकार यानी आरटीआइ कानून लागू हुआ था। उसके बाद यह उम्मीद की गई थी कि अब साधारण लोग भी अपने अधिकारों के साथ-साथ सरकार के कामकाज और उसकी प्रगति के बारे में खबर रख सकेंगे। इससे सरकारों पर दबाव बढ़ेगा कि वे किसी काम या योजना पर अमल करने के मामले में पारदर्शिता रखें और ईमानदारी बरतें, ताकि जनता को जवाब देते समय उन्हें अपने ही काम को लेकर असहज करने वाले सवालों का सामना नहीं करना पड़े। विडंबना यह है कि सूचना का अधिकार कानून के लागू होने के डेढ़ दशक के बाद अब हालात ऐसे होते जा रहे हैं कि उसमें सरकारें इस नियम के तहत मांगी गई

जानकारी देने में भी आनाकानी कर रही हैं। यह खबर एक संदर्भ हो सकती है कि दिल्ली के स्कूलों में कक्षा निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर आरटीआइ कानून के तहत पूछे गए सवाल का जवाब तीन साल बाद भी नहीं मिलने पर भाजपा ने दिल्ली की 'आप' सरकार को घेरा है। मगर पिछले कुछ समय से इस कानून पर ईमानदारी से अमल को लेकर दिल्ली सरकार पर जैसे सवाल उठ रहे हैं, वह अफसोसनाक है। गौरतलब है कि हाल ही में केंद्रीय सूचना आयोग ने दिल्ली के उपराज्यपाल को पत्र लिख कर अरविंद केजरीवाल सरकार की ओर से आरटीआइ कानून, 2005 को सही तरीके से लागू नहीं करने की बात कही थी। आयोग ने पत्र में कहा था कि अपीलकर्ताओं के साथ वास्तविक जानकारी को साझा करने से इनकार किया जाता है या उन्हें गुमराह करने के उद्देश्य से गलत जानकारी दे दी जाती है। इस पर उपराज्यपाल ने नियमों के मुताबिक जल्द से जल्द सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए थे। मगर जवाब में दिल्ली सरकार ने दावा किया कि वह इस कानून को सही मायने में लागू करती है। उसने सूचना आयोग पर राजनीति का हिस्सा बनने का आरोप लगाया। लेकिन अगर ऐसी शिकायत की खबर सामने आती है कि राजस्व विभाग की जानकारी लेने के लिए जब भी आरटीआइ के तहत जानकारी मांगी गई, तो उसके लगभग साठ फीसद जवाब गलत तरीके से पेश किए गए, तो क्या इसका जवाब सिर्फ कोई अन्य आरोप हो सकता है? दरअसल, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सूचना का अधिकार कानून बनाने के अभियान के जरिए ही आगे बढ़ते हुए अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था और इसी मुद्दे से उनकी सार्वजनिक पहचान बनी थी। इस कानून के मूल उद्देश्यों यानी ईमानदारी और पारदर्शिता को उन्होंने अपने शासन का सिद्धांत बनाने का संदेश दिया था। मगर आज हालत यह है कि जब दिल्ली में उनकी सरकार है, तब उन पर इसी कानून का ठीक से पालन नहीं करने के आरोप लग रहे हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

लक्षित आतंक

घाटी में अब लक्षित आतंकी हिंसा एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। पिछले दिनों गृहमंत्री जम्मू-कश्मीर के दौरे पर गए तो उन्होंने दावा किया कि आतंकी संगठनों को समूल नष्ट किया जाएगा। निस्संदेह उससे सुरक्षबलों का हौसला कुछ बढ़ा होगा। मगर ऐसा आतंकी संगठनों के मनोबल पर कोई खास असर नजर नहीं आ रहा। एक दिन पहले शोपियां में हथगोला फेंक कर दो प्रवासी मजदूरों की हत्या कर दी गई। उससे पहले एक कश्मीरी पंडित को निशाना बना कर मार डाला गया। पिछले कुछ महीनों से कश्मीरी पंडितों और किसी अन्य राज्य से वहां जाकर रह रहे लोगों को निशाना बना कर मारा जा रहा है। इससे आम लोगों के बीच दहशत का माहौल है और कश्मीर पंडित करीब डेढ़ महीने से धरने पर भी बैठे हुए हैं कि उन्हें कश्मीर से बाहर सुरक्षित स्थानों पर चले जाने दिया जाए। मगर सरकार ने उन्हें वहीं रोक रखा है। दरअसल, कश्मीरी पंडितों के घाटी में पुनर्वास की मंशा से उन्हें नौकरियां दी गईं, उनके मुहल्ले आबाद किए गए, मगर जैसी सुरक्षा उन्हें मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल पाई। इसलिए आतंकी उन्हें आसानी से निशाना बनाते रहे हैं। हत्या की ताजा घटनाओं के बाद एक बार फिर कश्मीरी पंडितों ने घाटी से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर बसने की मांग दोहराई। कश्मीरी प्रवासी पंडित संगठनों की ओर से घाटी में आतंकवादियों द्वारा लक्षित हत्याओं पर चिंता जाहिर करते हुए जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए एक तथ्यान्वेषण प्रतिनिधिमंडल भेजे जाने का प्रस्ताव किया गया। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू होनी है। सरकार चाहती थी कि चुनाव से पहले घाटी में अमन का माहौल बने, मगर स्थितियां जटिल होती जा रही हैं। तमाम तैयारियों और चौकसी के बावजूद आतंकी हमलों में कमी नहीं आ रही। पिछले आठ-नौ सालों से घाटी में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें घर-घर जाकर सशस्त्र बल तलाशी लेते और आतंकियों की पहचान करते रहे हैं। सीमा पार से होने वाली घुसपैठ पर कड़ी नजर रखी जा रही है। अलगाववादी संगठनों और आतंकियों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों पर शिकंजा कसा जा रहा है, संदिग्ध बैंक खाते बंद कर दिए गए हैं। सड़क के रास्ते पाकिस्तान से होने वाली तिजारत बंद है, जिससे आतंकियों को चोरी-छिपे हथियार पहुंचाने की कोशिशों पर लगाम लगी है। अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद करीब डेढ़ साल तक घाटी में कर्फ्यू लगा रहा, संचार सेवाएं बंद रहीं। तब दावा किया गया कि घाटी में आतंकवादियों की कमर टूट चुकी है। आतंकवाद में कमी के आंकड़े जारी कर संतोष भी प्रकट किया गया। मगर घाटी से कर्फ्यू हटते ही आंकड़े आए कि जिन दिनों कश्मीर बंद था, उस वक्त भी आतंकवादी संगठनों में नए सदस्यों की भर्ती होती रही। दरअसल, कश्मीर में आतंकी घटनाएं रुकने का नाम इसलिए नहीं ले रही हैं कि सरकार उसे सिर्फ बंदूक के बल पर रोकने का प्रयास कर रही है। हैरानी की बात नहीं कि जब-जब सख्ती के आदेश दिए गए हैं, तब-तब आतंकी घटनाएं बढ़ जाती हैं। घात लगा कर सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला, सैन्य शिविरों में घुसपैठ, बाहरी लोगों या प्रवासी मजदूरों को निशाना बना कर मारने, कश्मीरी पंडितों में भय पैदा करने जैसी गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है।

जिन्होंने अपना जीवन तपस्या के यज्ञ में अर्पण दिया वे तपस्वी सम्राट हैं : आचार्य सुनील सागर जी मुनिराज

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। भट्टारक जी की नसिया आचार्य श्री सुनील सागर महा मुनिराज की अपने संघ सहित विराजमान है प्रातः भगवान जिनेंद्र का पंचामृत अभिषेक हुआ पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया, मंगलाचरण अनीता सौगाणी ने किया व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य श्री का पाद

प्रक्षालन रींछाऔर मुंबई से आए श्रावकों ने एवं प्रवीण भाई मुंबई, सुरेंद्र शाह रूपेंद्र छाबड़ा, राजेंद्र पापडीवाल ने किया। पूज्य गुरुवर को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। पूज्य आचार्य भगवंत अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि चैत्र मास में भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) का जन्म हुआ चैत्र मास में ही भगवान महावीर का जन्म हुआ अतः आदिनाथ का 'आ' और महावीर का 'म' मिलकर आम हो गया। ऋषभदेव का 'र' और महावीर का 'म' राम हो गया, पूरा संसार राममय है। मर्यादा पुरुषोत्तम के विषय में पदम पुराण में लिपिबद्ध किया गया है।जैसा भाव करते हैं जैसे विचार करते हैं वैसा ही आस्त्रव का बन्ध होता है ।एक दिन के उपवास से तपस्वी सम्राट नहीं बनते हैं। तपस्वी सम्राट तो वही होता है जिसने अपने जीवन का सर्वस्व तपस्या के यज्ञ में अर्पण कर दिया है जो भगवान है वह जंजाल में नहीं है जो जंजाल में है वह भगवान नहीं है।

मुनि श्री 108 अमितसागर जी महाराज (ससंघ) ने किया पांडुलिपियों का अवलोकन

कोटा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य प्रज्ञाश्रमण बालयोगी मुनिश्री 108 अमितसागर जी महाराज (ससंघ) ने अकलंक शोध संस्थान बसंत बिहार पहुँचकर पांडुलिपियों का अवलोकन किया। मुनि श्री को पाण्डुलिपियों के संबंध में बहुत ही बारीकी से ज्ञान है ।महाराज श्री ने इस कार्य की प्रसन्नचित मुद्रा से खूब सराहना करते हुवे अपने महत्वपूर्ण अमूल्य सुझाव एवम मार्गदर्शन दिया। अकलंक शोध संस्थान की निर्देशक डॉ श्रीमति संस्कृति जैन ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संवाद दाता पारस जैन स्पार्श्वमणिस्र को जानकारी देते हुवे बताया कि 2009 में हर्षोल्लास के वातावरण में अकलंक शोध संस्थान की स्थापना हुई थी अभी तक कई दिगम्बर जैन संतो का मंगल आगमन संस्थान में हो चुका है ।अभी तक परम पूज्य स्वस्ति भूषण मति माता जी, विभा श्री जी माताजी, मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज, आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज, गणनी गुरु माँ विशुद्ध मति माताजी ने अवलोकन कर शुभाशीष प्राप्त प्रदान किया है। वर्तमान समय मे अकलंक शोध संस्थान के अध्यक्ष पीयूष जैन बज, सचिव ऐश्वर्य जैन पाटोदी कार्य देख रहे है ।

उल्सास से भर उठी किड्स वर्कशाप और फन एक्टीविटीज

जयपुर. शाबाश इंडिया

दीपोत्सव के अवसर पर टिनी एमेजिनेशन के बैनर तले किड्स वर्कशाप और फन एक्टीविटीज का आयोजन राजापार्क स्थित पिंक कैफे में किया गया। इस मौके पर बच्चों ने पैंट डेकोर,रंगोली, टी लाइट एंड स्टोरी टेलिंग के माध्यम से इस आयोजन को उल्लास के रंग से भर दिया। कार्यक्रम कोर्डिनेटर सोनिया बालानी व लीशा शर्मा ने बताया कि इस मौके पर वर्कशॉप में शामिल बच्चों ने पैंट डेकोर, रंगोली, टी लाइट एंड स्टोरी टेलिंग के माध्यम से आयोजन को खुशियों के रंग से सराबोर कर दिया। इस मौके पर बच्चों ने आकर्षक गेम व म्यूजिक पर जमकर मस्ती की। इस दौरान बच्चों का दिवाली का महत्व,आतिशबाजी कैसे चलाएं,इसके बारे में भी बताया गया। इस दौरान फोटो बूथ सेशन भी हुआ। अंत में बच्चों को दिवाली उपहार भी बांटे गए।

तपस्या से समाप्त हो जाते करोड़ो भवों के संचित कर्म, अवश्य करें तप साधनाः समकितमुनिजी

धर्म श्रद्धा मजबूत होने पर सांसारिक सुखों में नहीं होती आनंद की अनुभूति। उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना का 23 वां दिन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। करोड़ो भवों के संचित कर्म तपस्या से खत्म हो जाते है। तप में इतनी शक्ति है कि कई अशुभ कर्म भी समाप्त कर देता है। जब भी अवसर मिले तप साधना अवश्य करनी चाहिए। तपस्या करते समय हमे अपनी आन्तरिक सफाई भी करनी चाहिए ओर किसी तरह का झूठ बोलना, छीना झपटी करना, दूसरों को परेशान करना जैसे कार्य नहीं करने चाहिए। ये विचार श्रमणसंघीय सलाहकार सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में शुक्रवार को परमात्मा भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना **''आपकी बात आपके साथ''** के 23 वें दिन व्यक्त किए। इसके तहत आगम के 36 अध्यायों में से 29 वें अध्ययन सम्यक्तव पराक्रम एवं 30 वें अध्ययन तपोमार्ग गति का वाचन करने के साथ इनके बारे में समझाया। उन्होंने कहा कि तपस्या करते समय बिना पूछे कुछ भी नहीं लेना चाहिए। तपस्या करते समय आसक्ति में नहीं होना चाहिए। ये सब कार्य करके की जाने वाली तपस्या से कर्मो की निर्जरा होकर मन की हर मुराद पूरी होती है। ऐसा तप का मार्ग जो साधक अपनाते वह बहुत जल्द मुक्त हो जाते है। जो इच्छा हुई उसका निरोध करना तप कहलाता है। मुनिश्री ने कहा कि मंजिल तक पहुंचाने वाला पराक्रम सम्यक पराक्रम और मंजिल से भटकाने वाला पराक्रम मिथ्या पराक्रम है। हम सभी की मंजिल मोक्ष है जिसकी शुरूआत संवेग से होती है। संवेग से सम्यक पराक्रम की शुरूआत होती है। इससे निर्वेग की उत्पति होती है एवं संसार में रूचि खत्म होने लगती है। उन्होंने कहा कि धर्म श्रद्धा होने पर संसार के सुखों में आनंद की अनुभूति नहीं होती है। यदि हमारा मन संत से ज्यादा संतान में, स्थानक से ज्यादा घर में लगता है तो समझ लेना अभी हमारी धर्म श्रद्धा कमजोर है। जिसको खाने से अधिक आनंद तपस्या में आता है उसकी धर्मश्रद्धा मजबूत है। संसार का सुख ऐसे लोगों को आनंद नहीं देता है। यदि हम चाहते हमारे सारे कार्य सफल हो तो त्यागी-तपस्वी की सेवा करनी होगी। धर्मसभा के शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। लक्की ड्रॉ के माध्यम से भाग्यशाली श्रावक-श्राविकाओं को प्रभावना में चांदी के सिक्के लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रदान किए गए। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया। धर्मसभा का संचालन शांतिभवन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

समवशरण ध्यान एवं शालिभद्र जाप का आयोजन शनिवार को

आचार्य सम्राट देवेन्द्रमुनिजी म.सा. की जयंति एवं धनतेरस के अवसर पर 22 अक्टूबर शनिवार को शांतिभवन में सुबह 8.40 से 10.15 बजे तक समवशरण ध्यान एवं शालिभद्र जाप का आयोजन होगा। इस आयोजन के तहत शालिभद्र के हाथों 33 पेटियां लक्की ड्रॉ विजेताओं को दी जाएगी। इस आयोजन के माध्यम से परमात्मा भगवान महावीर के समवशरण निर्माण का दृश्य साकार किया जाएगा। पहली बार हो रहे इस तरह आयोजन को लेकर श्रावक-श्राविकाओं में उत्साह का माहौल है। तीन दिवसीय भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में तेला तप आराधना भी शनिवार से शुरू हो रही है। पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि जो श्रावक-श्राविकाएं उपवास का तेला तप आराधना नहीं कर सकते वह एकासन तेला या दो उपवास के मध्य एक दिन एकासन रखकर भी तेला तप आराधना कर सकते है। निर्वाण कल्याणक महोत्सव अवधि में तीनों दिन धर्मसभा सुबह 9 की बजाय 8.40 बजे से शुरू होगी। निर्वाण कल्याणक महोत्सव अवधि में पूज्य समकितमुनिजी के धर्म सभा को छोड़ शेष समय मौन साधना रहेगी। तीन दिवसीय भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव पूर्ण होने के बाद 25 अक्टूबर को गौतम स्वामी केवल ज्ञान दिवस मनाया जाएगा। सुबह 7 से 8 बजे तक शांतिभवन में होने वाले इस कार्यक्रम में तीन दिवसीय तप एवं मौन साधना के बाद पूज्य समकितमुनिजी म.सा. द्वारा श्रावक-श्राविकाओं को महामांगलिक प्रदान किया जाएगा। श्रावक-श्राविकाओं को खीर का प्रसाद वितरित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के बाद तीन दिवसीय तेला तप आराधकों के सामूहिक पारणे सम्पन्न होंगे।

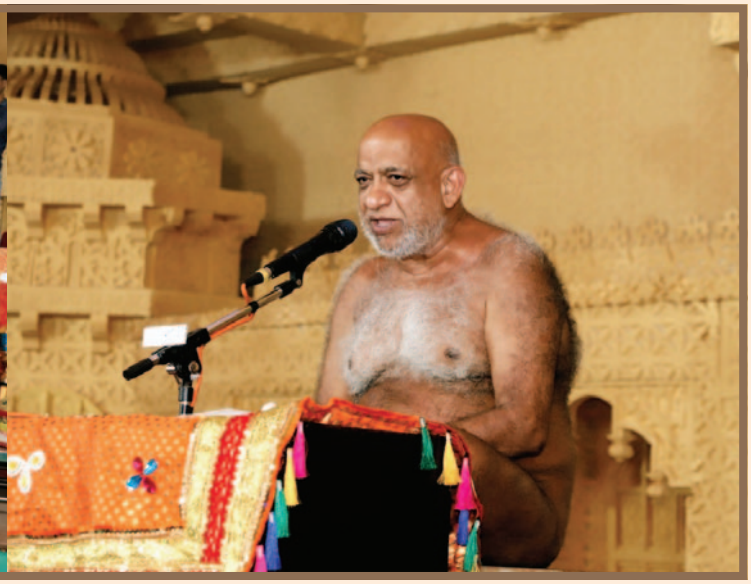

गुरू ही शिष्य की दिशा और दशा बदलने वाले : सुधासागर

मुनिश्री ने कहा कि दुनिया में कई लोग तो ऐसे हैं जिनके जीवन में गुरू ही नहीं हैं पर वे बड़े पुण्यशाली जिन्होंने सच्चे गुरू की पहचान कर अपने आप को उनके चरणों में समर्पित कर दिया, गुरू को पाने का एक ही उपाय है सच्चा समर्पण।

ललितपुर. शाबाश इंडिया

श्री अभिनन्दनोदय अतिशय तीर्थ में श्रमण निर्यापक मुनिपुंगव सुधासागर महाराज ने श्रमण संस्कृति संस्थान के छात्र छात्राओं समयसार शिक्षण शिविर के सउपरान्त सम्मान समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि गुरू से हमें क्या मिला ये महत्वपूर्ण नहीं गुरू को हमने क्या दिया ये महत्वपूर्ण है। गुरू को नदी के समान कहा गया है जैसे नदी शीतल जल से प्राणियों की प्यास बुझाती रहती है प्यास बुझाना नदी का स्वभाव है पर वो बदले में यह चाहती है कि कोई नदी में गंदगी न करे, इसे गंदा न करे, अपवित्र न करे, बस प्रकृति की तरह गुरू होते हैं जो उनकी शरण में आता है उसको ज्ञान से भर देते हैं, अच्छाइयों से भर देते हैं बस एक छोटी सी चाहत उनकी भी रहती है कि जिसे ज्ञान रूपी अमृत पिलाया, जिसे प्रकाश दिया वह अब गलत मार्ग पर जाये। अपने आचरण से सदाचार से गौरव बढाये । शिष्य वही जो अपने गुणों से गुरू को गौरवान्वित करे। मुनिश्री ने कहा कि दुनिया में कई लोग तो ऐसे हैं जिनके जीवन में गुरू ही नहीं हैं पर वे बड़े पुण्यशाली जिन्होंने सच्चे गुरू की पहचान कर अपने आप को उनके चरणों में समर्पित कर दिया, गुरू को पाने का एक ही उपाय है सच्चा समर्पण। गुरू ही शिष्य की दिशा और दशा को बदलने वाले होते हैं । नगर गौरव मुनिश्री पूज्य सागर ने छात्र छात्राओं को सीख देते हुए कहा कि पढना महत्वपूर्ण नहीं गुरू मुख से पढना महत्वपूर्ण है। गुरू अपने अनुभव से पढाते हैं, तुम्हारे समर्पण से गुरू भी गदगद है। आज तुम्हारा सम्मान नहीं तुम्हारी योग्यता का सम्मान हो रहा है। सम्मान पाना तो सरल है पर सम्मान को हमेशा बनाये रखना बहुत कठिन है पिछले दिनों श्री समयसारग्रन्थ के प्रशिक्षण दिया गया उसको मुनि बनकर अपने जीवन में धारण करना ही समयसार की सचची उपलब्धि होगी । सम्मान से आज आप दुनिया की नजर में आ गऐ जैसा सम्मान हुआ आप वैसे ही रहोंगे तो हर जगह आपका सम्मान होगा और अगर अमर्यादित हुए तो दुनिया में हंसी के पा । अब संस्थान के हर बच्चे की जिम्मेवारी वढ गई अब कोई अमर्यादित आचरण किया तो अप्रभावना में कारण बनोगे। श्री समयसार शिक्षण शिविर में परीक्षाफल धोषित किया गया जिमसें आदर्श शास्त्री ने एवं छात्रावर्ग में आन्या जैन ने टॉप किया। पंचायत अध्यक्ष अनिल अंचल, महामंत्री डा. अक्षय टडैया, प्रबंधक राजेन्द्र थनवारा, पंकज मोदी, ब्र. मनोज भैया, शिविर संयोजक संजीव जैन ममता स्पोर्ट, जिनेनद्र डिस्को, जितेन्द्र राजू, सतेन्द्र गदयाना कपूरचंद लागोन, प्रभात लागौन, वीरेन्द्र बछरावनी, मनोज बबीना, सुधीर सिवनी, अविनाश जैन बब्बू, राजीव लकी, अंकुर मोहन मावा,सतीष नजा, संजय मोदी, आदि ने सम्मानित किया। इसके पूर्व प्रातःकाल मूलननायक अभिनंदनाथ भगवान का श्रावकों ने अभिषेक किया इसके उपरान्त मुनि श्री के मुखारविन्द से शान्तिधारा तरूण काला मुम्बई, चंदावाई संदीप सर्राफ एवं अन्य श्रावक श्रष्ठियों के द्वारा हुई । तदुपरान्त श्रावक श्रेष्ठि परिवारों ने आचार्य श्री के चित्र का अनावरण एवं मुनि श्री का पादप्रक्षालन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। आज निर्यापक मुनि श्री सुधासागर महाराज को आहार एवं पडगाहन अनिल खिरिया परिवार,मुनि पूज्यसागर महाराज को आहार एवं पडगाहन स्वतंत्र मोदी परिवार, ऐलक धैर्यसागर को आहार एवं पडगाहन अनीता जैन टीकमगढ परिवार एवं क्षुल्लक गम्भीर सागर महाराज आहारदान एवं पडगाहन अशोक देवरान परिवार को मिला।

श्री जे. डी. जैन इंग्लिश मीडियम सैकण्डरी स्कूल में मनाई गई रामलीला

जयपुर. शाबाश इंडिया

पलटन गेट स्थित श्री जे. डी. जैन इंग्लिश मीडियम सैकण्डरी स्कूल में दीपावली महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। भगवान राम के जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक के सम्पूर्ण प्रसंगों का विद्यार्थियों द्वारा सुंदर तथा सजीव प्रस्तुतिकरण किया गया। जिन विद्यार्थियों ने रामायण के पात्रों का अभिनय किया, उन्हें शाला परिवार द्वारा पुरस्कृत किया गया। अभिनय के आधार पर प्रथम स्थान पर रक्षित गौड़ (हनुमान), द्वितीय स्थान पर राधिका शर्मा (सीता) तथा तृतीय स्थान पर कपिल जोशी (राम) और अमन कुमावत (लक्ष्मण) रहे। विद्यालय के सचिव महोदय संतोष पहाड़िया ने सभी को राम जैसा चरित्र अपनाने को कहा। प्रधानाचार्या शशि सोनी ने बताया कि सदा असत्य पर सत्य की विजय होती है, साथ ही उन्होनें भारतीय संस्कृति के अनुसार घर में मिट्टी के दीपक जलाने व चाईनीज लाइट्स का बहिष्कार करने को कहा। निर्णायकगण सरोज शुक्ला, किरण शर्मा और लक्ष्मी अग्रवाल रहे और मंच संचालन राकेश काबरा, हितेन्द्र ओझा एवं ज्योति शर्मा ने किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बापूनगर सम्भाग द्वारा मासिक विचार गोष्ठी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज बापूनगर सम्भाग की ओर से मांसिक विचार गोष्ठी का आयोजन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय बापूनगर में हुआ। गोष्ठी का विषय था ''निर्माल्य द्रव्य की अवधारणा'' । इस अवसर पर प्रमुख वक्ता राजकुमार कोठ्यारी जो भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान के अध्यक्ष व मंदिर महासंघ राजस्थान के महामंत्री है। इस अवसर पर संभाग के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार जैन पाटनी ने उनका व सभी धर्मालम्बियों का पधारने के लिए स्वागत किया। राजकुमार कोठ्यारी ने उपरोक्त विषय पर बहुत ही सारगर्भित जानकारी प्रदान की जिससे सभी उपस्थित जन बहत ही लाभान्वित हये। इस अवसर पर निम्न विशिष्ट व्यक्तियों की सहभागिता रही जिसमें निर्मल संघी, राजेश बडजात्या, डा. अनिल जैन, एस. के.पाटनी, सुरेन्द्र मोदी, सुभाष पाटनी, हीराचन्द वैद, संजय पाटनी, शकुन्तला शाह, शीला पाटनी, सुनीला सेठी व उर्मिला जैन थी। कार्यक्रम का संचालन संभाग के मंत्री डा. राजेन्द्र कुमार जैन ने किया तथा अन्त में धन्यवाद विचार गोष्ठी के संयोजक सीए शांतिलाल जी जैन ने ज्ञापित किया।

125 सिद्धचक्र मण्डल विधान पत्रिका का हुआ विमोचन

अमन जैन कोटखावदा
.शाबाश इंडिया

निवाई। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के सानिध्य में 30 अक्टूबर से 9 नवम्बर तक आयोजित होने वाले श्री सिद्ध चक्र मण्डल विधान के आमंत्रण पत्रिका का जयधोष के साथ विमोचन किया गया। प्रतीक जैन सेठी ने बताया की अष्टान्हिका महापर्व को लेकर नव दिवसीय श्री सिद्ध चक्र मण्डल विधान की रुपरेखा की तैयारियों के अन्तर्गत शुक्रवार को आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया जिसमें अनेकों इन्द्र इन्द्राणियो ने भाग लिया। प्रतीक जैन ने बताया कि आमंत्रण पत्रिका विमोचन से पूर्व श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ के अभिषेक शांतिधारा कर पूजा अर्चना की। महामण्डल विधान की पूजा अर्चना ब्रह्मचारी जिनेश चीकू भैया जयपुर सम्पन्न करायेंगे। इस अवसर पर आर्यिका विज्ञा श्री माताजी ने कहा कि संत समागम और प्रभु का भजन प्रबल पुण्य के सदभाव मे भव्यात्माओं को प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि सिद्धो की भक्ति करके साक्षात सिद्धों के समूह में बैठने का पुण्यार्जन करें। विधान के बीच गणाचार्य विराग सागर महाराज का 31 वाँ आचार्य पदारोहण दिवस समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। निवाई मे भगवान महावीर स्वामी का 2549 वां निर्वाण महोत्सव पर अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ साथ सभी दिगम्बर जैन मंदिरों में गाजेबाजे के साथ भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण लड्डू चढ़ाएंगे। इस दौरान भगवान महावीर स्वामी एवं गौतम गणधर की पूजा अर्चना की जाएंगी।